

प्रेषक,

जनरल लिंग,
उप सचिव,
उत्तरायण राज्य।

सोना ने,
मिलिट्री लिंगिला, विकारी
देहरादून।

मिलिट्री अनुदान-३

देहरादून: दिनांक: ०६ दिसम्बर, 2005

प्रियवारी दी०एस०पी० के अन्तर्गत जनपद देहरादून ने परिवार कल्याण उपक्रम के भवनों के निर्माण
प्रियक शासनादेश दिनांक ०२.०९.२०५ ने संशोधन के संदर्भ में।

गहोपद्य,

उपस्थुकतक विद्यक आपके पत्र सं०-सी० रन०३००/दी०-२/२००५-०६/७०९६ दिनांक
०७.११.२००५ के संदर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि दी०एस०पी० के अन्तर्गत जनपद
देहरादून में परिवार कल्याण उपक्रम के भवनों के निर्माण कार्य की स्वीकृति विषयक शासनादेश
सं०-२१८/XXVIII-५-२००५-२१/२००५ दिनांक ०२.०९.२००५ के संलग्न पुनर्विनियोजन प्रपन्न
दी०एग-१५ में त्रिपुरा अनुदान सं०-१२ अंकित हो गया है। अतः उक्त शासनादेश के संलग्नक
दी०एग-१५ में अंकित अनुदान सं०-१२ के रूपान पर अनुदान सं०-३१ यढ़ा जाए।

२- उक्त शासनादेश दिनांक ०२.०९.२००५ की शेष सभी राते दथावत रहेगी तथा उक्त शासनादेश
में इस सीमा तक संरक्षित रागड़ा जाए।

भवदीय,

(अतर सिंह)
उप सचिव

३०-५६४(१)/XXVIII-५-२००५-२१/२००५ लदूदिनांक

पत्रिभिरिति निन्नलिखत को रूपनार्थ एवं आवश्यक कार्यालय हेतु प्रेषित :-

- १- गठालोकाकार उत्तरायण, नाचारा, देहरादून।
- २- निरेशक, योगानन्द, उत्तरायण, देहरादून।
- ३- नरियो कोषाधिकारी, देहरादून।
- ४- मिलायिकारी, देहरादून।
- ५- मानविकारक विकिला रूपनार्थ एवं परिवार कल्याण उत्तरायण, देहरादून।
- ६- परिवाजना प्रबन्धक, उत्तरायण, योगानन्द निकाल रुप निर्माण निगम।
- ७- निष्ठी सचिव नां० नुद्यमन्त्री।
- ८- मिला अनुदान-३ / नियोजित/रन०३०००सी०।
- ९- नियोजित कार्यालय।

आज्ञा से,

— A — ३०
(अतर सिंह)
उप सचिव